बिहार महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के झगड़े में वामपंथी दल भी कूदे, किया 80 सीटों की मांग

बक्सर में कार्यरत रहे बिहार प्रशासनिक सेवा संवर्ग के पदाधिकारी खाद्यान घोटाला मामले में दोषी पाए जाने पर नौकरी से बर्खास्त

बिहार के सभी नौ नवनिर्वाचित विधान पार्षदों ने फीजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए विधानसभा में शपथ ली, सबों ने एक-दूसरे को बधाई दी

कोरोना की त्रासदी में भारत-नेपाल की सीमाएं सील होने से लखनऊ, दिल्ली व गोरखपुर में इलाज कराने वाले नेपालियों के सामने दवा का संकट, भारतीय रिश्तेदार जीवनरक्षक की भूमिका में

युवराज न्यूज़ टुडे

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

RNI:- BIHHIN05409

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

वर्ष : 06 अंक : 13+2 तिथि : 02 जुलाई 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

बिहार महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के झगड़े में वामपंथी दल भी कूदे, किया 80 सीटों की मांग

सियासी गहमा-गहमी

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

बिहार महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के झगड़े में वामपंथी दल भी कूद गए हैं। समझौते में उन्हें कम से कम 80 सीटें चाहिए। फिलहाल चेहरे के विवाद से दूर रहते हुए सारे वामदल सिर्फ राजग (भाजपा–जदयू–लोजपा गठबंधन) को हराने के मकसद से मैदान में इकट्ठा आने के लिए तैयार हैं। दरअसल, राजद ने विधानसभा चुनाव में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) और विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) की तुलना में वामपंथी राजनीति को तरजीह देने का संकेत क्या दिया कि वामदलों ने संयुक्त रूप से 80 सीटों की दावेदारी कर दी है। भाकपा–माकपा और माले की ओर से बिहार में भाजपा विरोधी एकजुट गठबंधन का प्रस्ताव दिया गया है। हालांकि इस पर महागठबंधन के मुखिया राजद की अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एकजुटता के लिए कुर्बानी भी मंजूर

भाकपा माले के राज्य सचिव कुणाल के मुताबिक विधानसभा के पिछले चुनाव में हमारी पार्टी अकेले 99 सीटों पर लड़ी थी। तीन उम्मीदवार जीते थे। महागठबंधन में शामिल होने पर कुछ सीटों की कुर्बानी देनी पड़े, तो उसके लिए तैयार हैं, क्योंकि भाजपा विरोधी दलों की एकता आज की जरूरत है। शीर्ष नेतृत्व से लेकर नीचे की कतारों तक में यह एकता बने, ताकि निर्णायक लड़ाई लड़ी जा सके। माकपा के राज्य सचिव अवधेश कुमार भी राजग के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता पर जोर दे रहे। वे कहते हैं, जरूरी यह है कि भाजपा विरोधी सभी दल एक साथ विधानसभा चुनाव लड़ें। जीत की गारंटी हो जाएगी। विपक्षी दलों की एकता के लिए राजद–कांग्रेस को गंभीरता से सोचना चाहिए।

वामपंथियों के लिए घटक दल राजी

महागठबंधन के तीनों दल (हम, रालोसपा और वीआइपी) वाम दलों के साथ चुनाव में जाना चाहते हैं। राजद ने भी वाम दलों को साथ रखने का पहले से ही मन बना रखा है। समाजवादी नेता शरद यादव भी इसके पक्ष में हैं। राजद के साथ भाकपा की पुरानी दोस्ती है। वामपंथी दलों के नेताओं का कहना है कि विधानसभा में सीटों का सवाल अलग है। हम उम्मीद करते हैं कि एकता में यह सवाल बाधक नहीं बनेगा। भाकपा नेता सत्य नारायण सिंह भी मानते हैं कि वामपंथी दलों की एकता भाजपानीत गठबंधन की हार के लिए जरूरी है। यह एकता सिर्फ चुनाव लडने तक ही नहीं होनी चाहिए। इसका प्रयोग जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन में भी हो।

बक्सर में कार्यरत रहे बिहार प्रशासनिक सेवा संवर्ग के पदाधिकारी खाद्यान घोटाला मामले में दोषी पाए जाने पर नौकरी से बर्खास्त

घोटाला कार्रवाई

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

बक्सर में कार्यरत रहे बिहार प्रशासनिक सेवा संवर्ग के पदाधिकारी आलोक कुमार को खाद्यान घोटाला मामले में दोषी पाए जाने पर नौकरी से हटा दिया गया है। उनके विरुद्ध राज्य खाद्य निगम के चावल और गेहूं गबन का आरोप है। वर्ष 2012– 13 के दौरान 50,000 क्विंटल से अधिक गेहूं और धान को जमा न करने का आरोप है।

विभागीय स्तर से इसकी सुनवाई चल रही थी। जिसमें सक्षम पदाधिकारियों की लापरवाही से धान सड़ने, गेहूं को बर्बाद कर निम्न दर पर नीलाम करने, भारतीय खाद्य निगम में उसे न जमा कराने जैसे कई गंभीर आरोप है।

इतना ही नहीं राज्य खाद्य निगम का आवंटन भारतीय खाद्य निगम से प्राप्त न करने के कारण भी विभाग को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। इन सभी आरोपों को देखते हुए लोक सेवक के विरुद्ध आचरण करने का दोषी पाया गया है।

विभागीय कार्रवाई मुकम्मल होने के बाद गया में कार्यरत लोक शिकायत पदाधिकारी आलोक कुमार को राज्यपाल की अनुमति के बाद सेवा से हटा दिया गया है। 30 जून को इस आदेश की प्रति सरकार के सचिव ने गजट प्रकाशन के लिए जारी कर दी है।

कोरोना की त्रासदी में भारत-नेपाल की सीमाएं सील होने से लखनऊ, दिल्ली व गोरखपुर में इलाज कराने वाले नेपालियों के सामने दवा का संकट, भारतीय रिश्तेदार जीवनरक्षक की भूमिका में

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

ग्राऊण्ड जीरो रिपोर्टिंग

कोरोना की त्रासदी में भारत–नेपाल की सीमाएं सील होने से लखनऊ, दिल्ली व गोरखपुर में इलाज कराने वाले नेपालियों के सामने दवा का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में नेपाली परिवारों के लिए भारतीय रिश्तेदार जीवनरक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। वह न केवल बार्डर पर जाकर पर्चा लेते हैं, बल्कि सोनौली से दवा खरीदकर पहुंचाते भी हैं। इस दौरान 'नो मेन्स लैंड' पर घंटों इंतजार करने वाले नेपाली परिवार इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर सीमा विवाद को लेकर दोनों देश के रिश्तों में खटास और ज्यादा बढ़ी तो उनकी यह जरूरतें कहां से और कैसे पूरी होंगी।

भारत में आकर कराते हैं इलाज

भारत के सोनौली और नेपाल के बेलहिया बार्डर पर 'नो मेन्स लैंड' क्षेत्र में रोजाना 150 से 200 लोग सुबह से शाम तक खड़े मिलते हैं। इनमें सर्वाधिक नेपाल के रूपनदेही, नवलपरासी, कपिलवस्तु और पाल्पा जिले के होते हैं। यहां के ज्यादातर लोग अपने गंभीर मर्ज का इलाज भारत में आकर कराते हैं। लखनऊ, गोरखपुर के डॉक्टरों की लगभग सभी दवाएं सोनौली बार्डर स्थित मेडिकल स्टोर पर आसानी से मिल जाती हैं। कोरोना के पहले तक तो सब कुछ सामान्य था, लेकिन लॉकडाउन में सीमाएं सील हुईं तो उनके जेहन में भविष्य को लेकर असमंजस भरे कई सवाल जन्म लेने लगे। नो मेन्स लैंड पर दवा के इंतजार में बैठीं भैरहवा के सुदूर गांव बंगाई से आई शैरु छेत्री ने बताया कि पिछली दवा एक हफ्ते में खत्म हो गई। किसी तरह यहां पहुंची हूं। नौतनवा में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार का इंतजार कर रही हूं। उन्हें पर्चा दूंगी, जिसके बाद वह दवा लाकर देंगे।

उठानी पड़ रही है भारी परेशानी

रूपनदेही के कोटिहवा गांव की शानू खड़का तो इस बात से चिंतित थीं कि अभी लॉकडाउन में सीमाएं सील होने के चलते इतनी परेशानी उठानी पड़ रही है, अगर सीमा विवाद के चलते कोई अप्रिय स्थिति हुई तो क्या होगा। नेपाल का बड़ा हिस्सा भारत के भरोसे है। सोनौली के दवा विक्रेता जन्मेजय कुमार ने बताया कि काठमांडू में बैठे लोग रिश्तों की परिभाषा चाहे जैसे गढ़ लें कि लेकिन इस सीमा पर हमारे रिश्तों की डोर बहुत मजबूत है। हम इस बात का ख्याल रखते हैं कि नेपालियों को कोई तकलीफ न हो। जरूरत पर हम लोग खुद दवा पहुंचा रहे हैं।

पर्यटन स्थलों पर छाई है वीरानी

भारत–नेपाल सीमा सील होने से नेपाल का पर्यटन उद्योग लडखड़ा गया है। कोरोना के चलते सीमाएं सील होने की वजह से नेपाल के लुंबिनी, बुटवल, पोखरा, काठमांडू जैसे पर्यटन स्थलों पर वीरानी छाई है। बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाने के लिए भारत, जापान, श्रीलंका, तिब्बत, कोरिया सहित विभिन्न देशों के बौद्ध धर्मावलंबी नेपाल पहुंचते हैं, लेकिन सोनौली सीमा सील होने के चलते यहां के मुख्य मंदिर और होटल भी सूने पड़े हैं। ऐसे में सीमा को लेकर खड़ा हुए नए विवाद ने भी नेपाली नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। काठमांडू स्थित पशुपति नाथ मंदिर में दर्शन के लिए सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती थी। पर्यटकों के आने से पोखरा शहर भी गुलजार रहता था, लेकिन सीमा सील होने की वजह से यहां के पर्यटक उद्योग का पहिया भी थम गया है।

होटल व्यवसायी चाहते हैं बेहतर संबंध

भैरहवा के होटल व्यवसायी रमेश गुरूंग, शमशेर थापा व हीरा गुरूंग ने बताया कि मार्च से ही व्यवसाय पूरी तरह ठप है। जिन होटलों में जून, जुलाई में नो रूम का बोर्ड टंगा रहता था वहां इस समय सन्नाटा है। कोरोना संक्रमण तो धीरे–धीरे समाप्त हो जाएगा, लेकिन भारत–नेपाल के बीच सीमा विवाद को लेकर जो तनाव चल रहा है , उससे मन चिंतित है। होटल संचालकों को इस बात की चिंता है कि अगर सीमाएं अधिक दिनों तक सील रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब नेपाल में आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

बिहार के सभी नौ नवनिर्वाचित विधान पार्षदों (एमएलसी) ने फीजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए विधानसभा में शपथ ली, सबों ने एक-दूसरे को बधाई दी

सियासी गहमा-गहमी

रिंकू गिरी,
संवाददाता

बिहार के सभी नौ नवनिर्वाचित विधान पार्षदों (एमएलसी) ने बुधवार को अपराह्न बाद विधानसभा में शपथ ली। सभी सदस्यों को विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सदस्यता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी समेत कई मंत्री शामिल रहे। शपथ ग्रहण समारोह में कोरोना संकट का असर दिखा। इस दौरान फीजिकल डिस्टेंसिंग (शारीरिक दूरी) का भी पालन किया गया। शपथ लेने के बाद सबों ने एक–दूसरे को बधाई दी।

बिहार विधान परिषद की सदस्यता की शपथ लेने वालों में जदयू के तीन सदस्य गुलाम गौस, भीष्म साहनी और कुमुद वर्मा, भाजपा के संजय मयूख और सम्राट चौधरी ने विधान परिषद की सदस्यता ली। वहीं, राजद की ओर से निर्वाचित रामबली सिंह चंद्रवंशी, फारुख शेख और सुनील कुमार सिंह तथा कांग्रेस के समीर सिंह ने भी सदस्यता की शपथ ली।

कोरोना संकट को देखते हुए शपथ ग्रहण समारोह को बेहद छोटे पैमाने पर रखा गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी पहुंचे हुए थे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शारीरिक दूरी के नियमों का भी ख्याल रखा गया। समारोह में संसदीय कार्यमंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा के अलावा विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल की सचेतक रीना यादव, विधान परिषद सदस्य प्रेमचंद मिश्रा, बीरेंद्र नारायण यादव, सीपी सिंह, विधायक अब्दुल बारी सिद्दीकी और भोला यादव के अलावा कई पूर्व विधान पार्षद और दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

वर्ष : 06 | अंक : 13+2 | न्यूज़ टुडे | पृष्ठ संख्या : 02 | तिथि : 02 जुलाई 2020

बिहार में फिर आसमान से बरसी मौत, बिजली गिरने से आज 21 लोगों की गयी जान

रिंकू गिरी,
संवाददाता

वज्रपात

आज आकाशीय बिजली गिरने से कुल 19 लोगों की मौत हो गयी है. पटना समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण और कटिहार इन तीन जिलों में 15 लोगों की मौत बिजली गिरने से हो गयी है.

बात करे राजधानी पटना की तो पटना के बिहटा में ठनका गिरने से 5 लोगों की मौत हो गयी है. जो सरकुना, सोरामपुर और जीआईडी में बिजली गिरने से इनसभी की मौत हो गयी है.

वहीं समस्तीपुर में वज्रपात से अभी तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है. जिले के बटहा में 3 लोगों की मौत हुई है, वहीं चौनपुर में किशोर की मौत हुई है जबकि मरोसंड में एक बुजुर्ग की वज्रपात से मौत हो गयी है. उधर मुफ्फसिल थाना के भुइधारा में एक शख्स की मौत हो चुकी है.

उधर कटिहार में वज्रपात से दो लोगों की मौत हो चुकी है. साथ ही आकाशीय बिजली गिरने से दो लोग झुलस गए है. जिले के कोढ़ा प्रखंड के विनोदपुर गांव की घटना है. इस घटना के गांव में दहशत का माहौल है.

वहीं पूर्वी चंपारण जिले में वज्रपात से मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां करीब एक सप्ताह पूर्व में वज्रपात की चपेट में आकर सात लोग जान गवां चुके हैं। वहीं आज सुबह फिर वज्रपात के कहर ने मोतिहारी जिलें में एक महिला समेत तीन लोगों को मौत की निंद सुला दिया। जबकि चार लोग वज्रपात की चपेट में आकर जख्मी हो गए हैं।

लगातार हो रहे वज्रपात से बचाव के लिए राज्य सरकार की ओर से दिशा निर्देश जारी किया गया है. दिशा निर्देश में यह बताया गया है कि कैसे वज्रपात से बचा जा सकता है. अगर लोग इसका पालन करे तो वो बच सकते है साथ ही जानमाल की कम से कम क्षति होगी।

सुबह हो रही बारिश के बीच वज्रपात की चपेट में आने से महिला समेत तीन की मौत, चार लोग हुए जख्मी

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

वज्रपात

पूर्वी चंपारण जिले में वज्रपात से मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां करीब एक सप्ताह पूर्व में वज्रपात की चपेट में आकर सात लोग जान गवां चुके हैं। वहीं आज सुबह फिर वज्रपात के कहर ने मोतिहारी जिलें में एक महिला समेत तीन लोगों को मौत की निंद सुला दिया। जबकि चार लोग वज्रपात की चपेट में आकर जख्मी हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार मोतिहारी शहर से सटे बंजरिया प्रखंड क्षेत्र के अजगरवा सरेह में गुरुवार की सुबह बज्रपात से एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान अजगरवा निवासी विजय सहनी के पुत्र संजय कुमार के रूप में हुई है। मृतक की उम्र 17 वर्ष बताई जा रही है।

इस वज्रपात की घटना में अजगरवा निवासी 25 वर्षीय उपेंद्र राम, 50 वर्षीय नागेंद्र सहनी, 50 वर्षीय वीरेंद्र राम एवं 62 वर्षीय शेख शमशुल हक जख्मी हो गए हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल मोतिहारी में हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान की अगुवाई में करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। ऊक्त जानकारी अंचलाधिकारी मणिकुमार वर्मा ने दी ।

दूसरी घटना पताही थाना क्षेत्र के परसौनी कपूर गांव में सुबह सवेरे ही हो रही बरसात में एक महिला के ऊपर वज्रपात हो गया है, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई है। मृतका गांव के राजकुमार सहनी की 30 वर्षीया पत्नी अनिता देवी है। घटना के वक्त वह शौच के लिए बाहर गई थी, तभी यह घटना हो गई। मृतका के पाँच बच्चे हैं, जिसमें चार पुत्रियाँ एवं एक पुत्र है। परिजनों एवं बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है। पिछले एक हफ्ते में थाना क्षेत्र में यह दूसरी घटना है जब किसी व्यकि की मृत्यु वज्रपात से हो गई है। इससे थाना क्षेत्र के महमदपुर में एक 25 वर्षीय युवक की मृत्यु भी इसी तरह हो गई थी, जब वह खेतों में काम करने गया था।

वहीं तीसरी घटना आदापुर प्रखंड के कटगेनवा गांव में हुई, जहां वज्रपात की चपेट में आकर एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शुक्ल ने इफ्तेखार खान को पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव मनोनित किया

सम्राट, संवाददाता

उपलब्धि

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शुक्ल ने कांग्रेस पार्टी के प्रति आपकी निष्ठा एवं सेवा भाव को देखते हुए इफ्तेखार खान को पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव मनोनित किया है।

मनोनयन के बाद श्री शुक्ल ने कहा कि आप कांग्रेस पार्टी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने एवं पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी एवं श्री राहुल गांधी जी के हाथों को मजबूत करेंगे।

इफ्तेखार के पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव मनोनित होने पर पूर्व मंत्री व गांधी संग. हालय के सचिव ब्रजकिशोर सिंह, पूर्व विधायक सुरेश मिश्रा, मुनमुन जयसवाल, जियाउल हक, दिलनवाज रशीद, प्रोफेसर विजय शंकर पाण्डेय, सुमित्रा यादव, विनय उपाध्याय, बबन पांडेय समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बधाई दिया है।

बर्चस्व कायम करने का सबसे बड़ा खूनी अडडा बनता जा रहा है बापूधाम मोतिहारी का रैक

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

अपराध

मोतिहारी के बंजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बापूधाम मोतिहारी का रैक प्वाइंट बर्चस्व कायम करने का सबसे बड़ा खूनी अडडा बनता जा रहा है। यहां पूर्व में भी वर्चस्व को लेकर कई बार गोलीबारी हो चुकी है। पूर्व में विवाद को लेकर इसी रैंक प्वाईट पर कटारी सहनी की हत्या हो चुकी है। इस दौरान कई लोगों पर फायरिग भी की गई थी। एक दशक पूर्व मुखिया छबीला सिंह को भी यहीं पर गोली मारने दो बदमाश पहुंचे थे। बाद में लोगों ने दोनों बदमाशों को पीटकर मार डाला था। इसी कड़ी में शहर के चांदमारी चौक पर भी फायरिग हुई, जिसमें तीन लोग जख्मी हो गए थे। बताया जाता है कि पहले भी मुखिया को पुलिस ने अगाह किया था कि मुखिया बदमाशों के टारगेट पर थे।

हर घटना में बदमाश उपयोग कर रहे अपाची बाइक

हाल के दिनों में जिले में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए बदमाश अपाचे बाइक का उपयोग कर रहे है। बुधवार की शाम छबिला सिंह पर हमला, मंगलवार की रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसवरियां में दो लोगों पर फायरिग, चांदमारी चौक पर भी गोली बारी में अपाचे बाइक का प्रयोग किया गया है।

दो बाइक पर सवार चार बदमाश कर रहे थे रेकी

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो काला रंग के बुलेट व प्लसर बाइक पर सवार चार बदमाश घटना के आधा घंटा पूवे से रेकी कर रहे थे। सभी घटनास्थल के समीप बाइक लगाकर मुखिया का इंतजार कर रहे थे। मुखिया अपने कुछ लोगों के साथ बैठे थे। जैसे ही वे उठे उसी दौरान अपाचे बाइक पर सवार दो बदमाश आए और गोली मार बंजरिया की ओर भाग निकले।

पीपरा के राज तिलक के टारगेट पर थे मुखिया

पुलिस सूत्रों की माने तो एक माह पूर्व पुलिस ने मुखिया को आगाह किया था कि आप बदमाशों के टारगेट पर है। वही राज तिलक रैक प्वाइंट पर मुखिया की रेकी भी की थी। फायरिग मामले में पुलिस ने कुद बदमाशों को चिन्हित किया है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जिला मुखिया संघ ने की

हमले की निदा

जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष कुमार मनोज सिंह ने मुखिया छबिला सिंह पर गोली बारी से हमले की निदा की हैं। साथ ही एसपी से मांग की है कि जल्द से जल्द हमलावरों को गिरफ्तार किया जाए। समय रहते हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो संघ आंदोलन करने को बाध्य होगा।

एसआइटी गठित

पुलिस अधीक्षक नवीनचंद्र झा ने न्यूज टुडे टीम को बताया कि सदर डीएसपी अरूण कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एसआइटी टीम का गठन किया गया। वही जिले की नाकेबंदी कर बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। टीम में मुफस्सिल अंचल के पुलिस निरीक्षण आनंद कुमार, बंजरिया थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान, दारोगा मनीष कुमार, मनोज कुमार सिंह, संदीप कुमार, नित्यानंद दूबे व चिरंजीवी को शामिल किया गया है।

भोजपुरी सिनेमा की अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों गुजर रही हैं अपनी जिंदगी के बुरे दौर से, कहा- अब मुझमें हिम्मत नहीं बची हैं, मैं सुसाइड कर लूंगी

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

पड़ताल

सुशांत सिंह राजपूत ने सुसाइड कर अपनी जान दे दी और अब भोजपुरी सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों अपनी जिंदगी के बुरे दौर से गुजर रही हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर उन्हें परेशान कर रहे हैं। इस बात का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा है कि एक शख्स की वजह से वह अपनी जिंदगी के बुरे दौर से गुजर रही हैं और अब मुझमें हिम्मत नहीं बची हैं। मैं सुसाइड कर लूंगी।

रानी चटर्जी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने एक शख्स की तस्वीर और उसके पोस्ट्स को भी साझा किया है। इस शख्स का नाम धनंजय सिंह है। रानी चटर्जी ने परेशान होकर अपने पोस्ट में लिखा, 'डिप्रेशन से मैं बहुत ज्यादा अब परेशान हो चुकी हूं अक्सर मैं मजबूत और सकारात्मक बने रहने की बात करती हूं पर अब और नहीं हो पा रहा है। यह आदमी कई सालो से मेरे बारे में न जाने कितनी गंदी–गंदी बातें फेसबुक पर लिख रहा है।'

रानी चटर्जी ने पोस्ट में आगे लिखा, 'मैंने बहुत नजरअंदाज करने की कोशिश की, मैंने कई लोगों से बात की पर सभी ने कहा कि नजरअंदाज करो पर मैं भी तो इंसान हूं। मैं मोटी हूं मैं बुढ़िया हूं या मैं कोई काम करती हूं तो यह इतनी भद्दी बातें लिखता है, लोग मुझे यह सब भेजते है और कहते है नजरअंदाज करो, लेकिन अब मुझसे ये नहीं हो सकता।'

रानी ने आगे लिखा है, 'मैं कई सालों से इस बात को लेकर काफी परेशान हों चुकी हूं मानसिक तनाव से गुजर रही हूं। यह शायद चाहता है कि में अपनी जान दे दूं, इसकी वजह से मेरी निजी जिंदगी में बहुत तनाव है। मुंबई पुलिस से ये मेरा अनुरोध है कि अगर मैं कुछ कर लेती ही तो इसका जिम्मेदार धनंजय सिंह होगा। मैंने साइबर सेल में भी इसकी शिकायत की थी पर वहां पर कहा गया कि इसने मेरा नाम नहीं लिखा है, पर मैं ये जानती हूं यह सिर्फ मेरे लिए ही लिखता है।'

आखिरी में रानी चटर्जी ने लिखा, 'इसके ऐसे पोस्ट पर लोग मेरा नाम लिख कर गंदी–गंदी गालियां लिखते हैं और यह उसके मजे लेता है। मैं हताश हो चुकी हूं, मुझमें अब हिम्मत नहीं बची, इसकी वजह से मैं आत्महत्या कर लूंगी, क्योंकि मैं बहुत बुरे डिप्रेशन से गुजर रही हूं इसकी वजह से कई सालो सें। अब और नहीं होता बर्दाश्त।' सोशल मीडिया पर रानी चटर्जी का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

आगामी चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय सक्रिय, वैसे पदाधिकारियों की सूची है तैयार जिनको चुनाव आयोग के निर्देश में डयूटी से हटाया गया था

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

कार्रवाई

आगामी चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय भी सक्रिय होने लगा है। मुख्यालय नहीं चाहता कि अनावश्यक रूप से आयोग के निर्देश को वह झेले। पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय ने बताया कि वैसे कई पदाधिकारी नपेंगे जो चुनाव में दागी पकड़े गये हैं। वैसे पदाधिकारियों की सूची बनायी जा रही है। जिन अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में डयूटी से हटाया गया था, उन्हें पुनः चुनाव डयूटी से वंचित होना पड़ेगा।

इससे इतर, वैसे पदाधिकारी भी नपेंगे जिनकी सेवा अवधि निश्चित काल से अधिक हो गई है। इस संबंध में पत्र व्यवहार किया जा चुका है। सूत्रों ने बताया कि वैसे अंगरक्षकों को भी हटाया जा सकता है जो लम्बे समय से एक ही जनप्रतिनिधि के साथ रहे हैं। प्रोटोकॉल डयूटी पर तैनात अधिकारी इससे वंचित रहेंगे।

जानकारी मिली है कि कई सब–इंस्पेक्टर लेवल के पदाधिकारियों पर चुनाव आयोग के डंडे चले हैं। कुछ पर पार्टी और प्रत्याशी विशेष पर काम करने के आरोप लगे हैं।

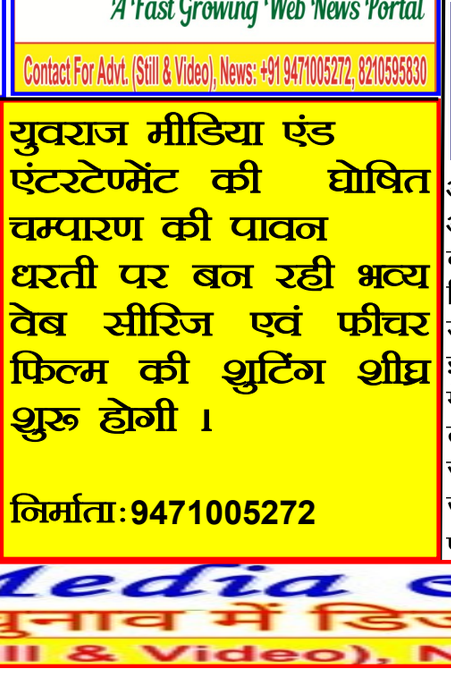

युवराज मीडिया एंड एंटरटेण्मेंट की घोषित चम्पारण की पावन धरती पर बन रही भव्य वेब सीरिज एवं फीचर फिल्म की शुटिंग शीघ्र शुरू होगी ।

निर्माता:9471005272

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830